

हिंदी दैनिक

नागपुर मेट्रो समाचार

BCN GROUP



RNI.NO - MAHHIN/2019/78960 | P.NO : NPCITY/516/2021-2023

नागपुर, शनिवार, 6 सितंबर 2025

अंक 323 / वर्ष 6 / पृष्ठ 8+4 / कीमत 3/-



देवाभाऊ



जीएसटी के बाद अब महंगाई से राहत!

नई दिल्ली.

जीएसटी दरों में बड़ा बदलाव होने वाला है, जिससे आम घरेलू सामान और सेवाओं पर टैक्स कम होगा. इससे आपले वित्त वर्ष (2025-26) में रिटेल इन्फ्लेशन 0.65 से 0.75 प्रतिशत तक घट सकता है.

एसबीआई रिसर्च की एक रिपोर्ट के मुताबिक, नए जीएसटी नियम लागू होने के बाद देश में महंगाई कम होगी. जीएसटी काउंसिल की 56वाँ मीटिंग में पुरानी चार स्तरीय टैक्स स्ट्रक्चर (5%, 12%, 18%, 28%) को हटाकर दो स्तरीय टैक्स स्ट्रक्चर (5% और 18%) को मंजूरी दी गई. साथ



ही, कुछ लक्ष्यी सामान और सेवाओं के लिए 40% की स्पेशल टैक्स दर तय की गई है, जिसके तहत रोजमर्रा की काफी चीजें सस्ती हो गई हैं और कुछ तो टैक्स फ्री ही हो गई हैं.

तंबाकू और उससे जुड़े प्रोडक्ट्स

को छोड़कर नई टैक्स दरें 22 सितंबर 2025 से लागू होंगी.

रिपोर्ट कहती है कि 453 सामानों की जीएसटी दर में बदलाव हुआ है. इनमें से 413 सामानों पर टैक्स कम हुआ है, जबकि सिर्फ 40 सामानों

पर टैक्स बढ़ा है. करीब 295 जरूरी सामानों पर जीएसटी 12% से घटकर 5% या 0% हो गई है.

इससे खासकर खाने-पीने की चीजों पर 60% फायदा ग्राहकों को मिलेगा, जिससे कंप्यूटर वैल्यू इंडेक्स आधारित इन्फ्लेशन 0.25 से 0.30% तक कम हो सकती है.

एसबीआई रिसर्च रिपोर्ट में कहा गया कि इसके अलावा, सेवाओं पर

> एसबीआई रिपोर्ट में बड़ी उम्मीद

जीएसटी की औसत दर कितनी हुई?

जीएसटी काउंसिल के रेट रेशनलाइजेशन से सितंबर 2019 में औसत जीएसटी दर 14.4% से घटकर 11.6% हो गई थी. अब नए बदलावों के बाद ये और कम होकर 9.5% हो सकती है. नए जीएसटी नियमों से जरूरी सामान और सेवाएं सस्ती होंगी, जिससे महंगाई कम होगी और आम लोगों को फायदा होगा.

जीएसटी दरों को रेशनाइलज बनाने से अन्य वस्तुओं और सेवाओं पर खुदरा मुद्रास्फीति में 0.40 से 0.45 प्रतिशत की और कमी आएगी. इसमें ग्राहकों को लाभ 50 प्रतिशत मिलने का अनुमान लगाया गया है. रिपोर्ट के मुताबिक, कुल मिलाकर, वित्त वर्ष 2026-27 के दौरान रिटेल इन्फ्लेशन में 0.65 से 0.75 प्रतिशत तक कमी आ सकती है.

मारुति सुजुकी ने लॉन्च की 'विक्टोरिस' एसयूवी

> तकनीक, सुरक्षा और स्टाइल का अनोखा संगम

नई दिल्ली.

भारत की अग्रणी कार निर्माता कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड (एमएसआइएल) ने आज भारतीय एसयूवी बाज़ार को एक नया आकार देते हुए अपनी नवीनतम और बहुप्रतीक्षित एसयूवी 'विक्टोरिस' को लॉन्च कर दिया। कंपनी का दावा है कि यह नई एसयूवी टेक्नोलॉजी, परफॉर्मिस और डिज़ाइन के मामले में सेगमेंट में नए मानक स्थापित करेगी।

विक्टोरिस को एक हाइपर-कनेक्टेड, स्लीक और भविष्यवादी डिज़ाइन, ऑल-राउंड सेफ्टी, और रोमांचक परफॉर्मिस के साथ पेश किया गया है। यह एसयूवी पेट्रोल, स्ट्रॉंग हाइब्रिड, ऑलप्रिप सेलेक्ट (4x4), और पर्यावरण हितैषी यस-सीएनजी वेरिएंट्स में उपलब्ध होगी. जो इसे बाजार में सबसे वर्सेटाइल एसयूवी बनाती है। ग्राहक इसे सिर्फ 11,000



रु. की टोकन राशि देकर बुक कर सकते हैं।

हाइपर-कनेक्टेड फीचर्स – आधुनिक स्मार्ट टेक्नोलॉजी से लैस, 5-स्टार स्तर की सुरक्षा – हर दिशा से सुरक्षा सुनिश्चित, ऑलप्रिप सेलेक्ट (4x4) – बेहतर ऑफ-रोड परफॉर्मिस, सेगमेंट-फर्स्ट अंडरबॉडी

एस-सीएनजी टैंक डिज़ाइन, प्रीमियम और यंग डिज़ाइन – खासतौर पर युवा ग्राहकों को ध्यान में रखकर डिज़ाइन की गई. हिसागो ताकेजिन, प्रबंध निदेशक एवं सीईओ, मारुति सुजुकी ने कहा: नए दौर का भारतीय ग्राहक तकनीकी-सम्मत, पर्यावरण के प्रति जागरूक और अनुभव-

प्रधान जीवशैली को अपनाता है। विक्टोरिस ऐसी ही सोच को ध्यान में रखकर विकसित की गई है। इसका नाम 'विक्टोरियस' की भावना से प्रेरित है. एक विजेता की कार। वहीं, पाथों बनर्जी, सीनियर एजीक्यूटिव ऑफिसर (मार्केटिंग व सेल्स), ने कहा: आज की पीढ़ी एसयूवी को सिर्फ एक गाड़ी नहीं बल्कि अपनी पहचान मानती है। विक्टोरिस उस सोच का उत्तर है. स्टाइल, टेक्नोलॉजी और परफॉर्मिस का संपूर्ण मिश्रण।

विक्टोरिस के ज़रिए मारुति सुजुकी अपने एसयूवी पोर्टफोलियो को और अधिक मजबूती देना चाहती है। तेजी से बढ़ते भारतीय एसयूवी बाजार में यह एक अहम कदम माना जा रहा है, खासकर तब जब ग्राहक पहले से कहीं अधिक हाई-टैक, सुरक्षित और पर्यावरण-अनुकूल वाहनों की मांग कर रहे हैं।

जीएसटी 2.0 को इंडस्ट्री लीडर्स का समर्थन

> महिंद्रा-गोयनका ने जताई तारीफ

नई दिल्ली.

सरकार ने जीएसटी में बड़ा रिफॉर्म करते हुए 4 टैक्स स्लैब की जगह 2 स्लैब करने का फैसला लिया है, जिसके तहत रोजमर्रा की चीजों से लेकर छोटी-बड़ी कारों के दाम पर असर देखने को मिलेगा. 56वीं जीएसटी काउंसिल की

मौटिंग में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने रेट कट का ऐलान किया है. नई दरें आगामी 22 सितंबर से प्रभावी हो जाएंगी. जीएसटी रिफॉर्म पर देश के बड़े बिजनेसमैन और स्टार्टअप किंग ने अपनी प्रतिक्रिया दी है. आनंद महिंद्रा, हर्ष गोयनका से लेकर गुगु ने जीएसटी पर कमेंट करके है. आनंद महिंद्रा ने कहा कि ज्यादा और तेज सुधार ही खपत और निवेश बढ़ाने का सबसे सही रास्ता है. ये सुधार अर्थव्यवस्था को बड़ा

करेगे और दुनिया में भारत की आवाज को और बुलंद करेगे. लेकिन स्वामी विवेकानंद का वो मशहूर नारा याद रखें उठो, जागो और तब तक मत रुको जब तक मंजिल न मिल जाए. तो, प्लोज और सुधार लाइए. ये हर भारतीय के लिए दिवाली का बड़ा गिफ्ट है. रोजमर्रा की चीजों, हेल्थकेयर, एजुकेशन और खेती के सामान पर जीएसटी कम हुआ है. किराना सस्ता होगा, हेल्थकेयर में राहत मिलेगी, एजुकेशन सस्ता होगा. ये

सुधार “अगली पीढ़ी के जीएसटी ” की ओर कदम है, जो जिंदगी को आसान बनाएगा और अर्थव्यवस्था को बूस्ट देगा. अगली पीढ़ी के जीएसटी सुधार. भारत के लिए एक आसान, निष्पक्ष और समावेशी टैक्स सिस्टम बनाने की दिशा में बड़ा कदम है. महिंद्रा ने, हम इन्हें गेम-चेंजर मानते हैं. ये अनुपातन को आसान करते हैं, खपत बढ़ाते हैं और इंडस्ट्री को कॉन्फिडेंस के साथ निवेश करने का मौका देते हैं.

दांतों की सफाई से स्किन केयर तक

> हर घर में पहुंचा पतंजलि

नई दिल्ली.

देश की मशहूर एफएमजी कंपनी पंतजलि का कारोबार देश में बढ़ रहा है. बाबा रामदेव की कंपनी पतंजलि फूड्स ने एमएमसी सेक्टर ने अपनी अलग पहचान बनाई है. कंपनी अभी मौजूदा समय में दंतकान्ति, एलोवेरा से लेकर कृषि प्रोडक्ट्स और एडिबल ऑयल का व्यापार करती है. आइए आपको बताते हैं कि कंपनी का कारोबार कितने करोड़ का है.

पंतजलि फूड लिमिटेड कंपनी अभी शेयर मार्केट में लिस्टेड है. कंपनी जब से लिस्ट हुई है तभी से इसने निवेशकों को बढ़िया मुनाफा कमवाया है. अगर हम पिछले पांच सालों की बात करें तो पतंजलि फूड लिमिटेड के शेयरों ने निवेशकों करीब

पतंजलि फूड्स में खास है एडिबल ऑयल

फाइनंशियल ईयर 2024 में पतंजलि फूड्स लिमिटेड का सबसे ज्यादा रेवेन्यू यानी करीब 70% हिस्सा, एडिबल ऑयल सेगमेंट से आया था. कंपनी का फूड और बाकी एफएमसीजी प्रोडक्ट्स का नंबर था, जिनका रेवेन्यू शेयर लगभग 30% रहा. पतंजलि फूड्स एक भारतीय एफएमसीजी कंपनी है, जो भारत में कंप्यूटर प्रोडक्ट्स और खाने के तेल बनाती है. खास बात ये है कि पतंजलि के प्रोडक्ट्स की डिमांड लगातार बढ़ रही है, जिससे कंपनी का रेवेन्यू और प्रॉफिट भी तेजी से बढ़ रहा है.

पतंजलि ये प्रोडक्ट्स बेचती है

पतंजलि फूड प्रोडक्ट्स, पर्सनल केयर प्रोडक्ट्स और आयुर्वेदिक दवाइयां बेचती है. फूड प्रोडक्ट्स में घी, आटा, दाले, नूटल्स, बिक्रुट, और अब तो गुलाब जामुन, रसगुल्ला जैसे मिठाई आइटम भी शामिल हैं. पर्सनल केयर में शैम्पू, टूथपेस्ट, साबुन, तेल वगैरह हैं. इसके अलावा, पतंजलि आयुर्वेदिक दवाइयां भी बनाती है, जिनके बारे में कंपनी दावा करती है कि वो कई बीमारियों को ठीक कर सकती हैं. पतंजलि के पूरे देश में 47,000 से ज्यादा रिटेल स्टोर्स, 3,500 डिस्ट्रीब्यूटर्स और 18 राज्यों में कई गोदाम हैं.



72 फीसदी का शानदार रिटर्न दिया

है. आज से 5 साल पहले जहां कंपनी के शेयर 1040 रुपये पर थे वह आज करीब 743.90 रुपये बढ़कर 1,784 रुपये पर आ गए हैं.

पतंजलि फूड लिमिटेड एफएमसीजी सेक्टर की मशहूर कंपनियों को टक्कर दे रही है. पिछले पांच सालों में बढ़िया प्रोथ हासिल की है. निवेशकों को शानदार मुनाफा कमवाया है. बीएसई पर अभी कंपनी का मार्केट कैप 64,758 करोड़ रुपये है.

ईएमआई बेहतर या किराया?

> घर खरीदने से पहले करें सही फैसला

नई दिल्ली.

भारत में एक आम सोच है कि किराए पर रहना पैसे की बर्बादी है और अपना घर ही असली निवेश है. यह सोच पीढ़ियों से मिडिल क्लास को सिखाई जा रही है. लेकिन अब कुछ एक्सपर्ट्स, जैसे सीए नितिन कौशिक, इस सोच को एक फाइनंशियल जाल बता रहे हैं, जिसमें एक वला सोचे-समझे फंस जाते हैं. मान लीजिए आप 1 करोड़ रुपये का फ्लैट खरीदते हैं, और इसके लिए बैंक से 80 लाख का होम लोन लेते हैं. इस पर 9% ब्याज दर और 20 साल की अवधि के हिसाब से हर महीने लगभग 72,000 रुपये की ईएमआई देनी पड़ेगी. यानी 20 साल में आप कुल मिलाकर करीब 1.73 करोड़ रुपये चुका देते हैं. जबकि घर की कीमत सिर्फ 1 करोड़ रूप थी. इसमें से करीब 93 लाख सिर्फ ब्याज के रूप में जाता है. यानी आप जितनी रकम में उस घर को खरीदते हैं, उतने में आप उसी घर को कई साल किराए पर लेकर रह सकते थे. फिर भी लोग इसे बर्बादी क्यों मानते हैं? घर खरीदना अक्सर एक इमोशनल डिज़ीजन बना जाता

है, लोग क्या कहेंगे, किराए पर कब तक रहेंगे ऐसी बातों से लोग जल्दीबाजी में लोन ले लेते हैं. पर इस नियम के पीछे गणित नहीं भावना होती है और यही गलती भारी पड़ती है.लोग अपनी पूरी बचत डाउन पेमेंट में लगा देते हैं. इसके बाद सालों तक ईएमआई चुकाने में उनकी आंखों से ज्यादा सैलरी चली जाती है. नतीजा? ना इमरजेंसी फंड बचता है, ना जिंदगी में फ्लेक्सिबिलिटी. किसी और शहर में नौकरी मिले तो ट्रान्सफर मुश्किल, घर की मरम्मत का खर्च अलग, और प्रॉपर्टी टैक्स भी खुद को ही देना पड़ता है. शहरों में किराया रिटर्न सिर्फ 3.5% से 5% तक होता है. यानी 1 करोड़ के घर का किराया आमतौर पर 25-30 हजार महीने से ज्यादा नहीं होता. अगर आप यही रकम अलग-अलग इन्वेस्टमेंट्स में लगाते हैं, जैसे म्यूचुअल फंड्स या शेयर बाजार तो 20 साल में वही पैसा आपको कई गुना रिटर्न दे सकता है. दूसरी तरफ, रियल एस्टेट में रिटर्न 6-7% ही रहता है, और उतना भी तभी जब मार्केट अच्छा चले. ऊपर से लोन का बोझ हर महीने बना ही रहता है.

पनीर पर नहीं लगेगा टैक्स, चीज-बटर हुए सस्ते

नई दिल्ली.

जीएसटी में हुए बदलाव के बाद कई डेयर और मिलक प्रोडक्ट सस्ते हो जायेंगे हैं. आइसक्रीम और अन्य दूध से बने उत्पाद जैसे पनीर, घी, मक्खन, चीज और कंडेंस्ड मिलक 5 से 10 प्रतिशत तक सस्ते हो सकते हैं, क्योंकि डेयरी उद्योग त्योहारी सीजन से पहले जीएसटी (वस्तु एवं सेवा कर) में हुई कटौती का फायदा ग्राहकों तक पहुंचाने की तैयारी कर रहा है. जीएसटी काउंसिल की बैठक में कुछ बदलाव किए गए हैं, जो 22 सितंबर 2025 से लागू होंगे.

यूएचटी दूध और पनीर पर जीएसटी घटाकर शून्य कर दिए जाने से डेयरी उद्योग का मानना है कि इससे



भारत में डेयरी उत्पादों की खपत बढ़ेगी और मिलावट तथा टैक्स चोरी पर भी रोक लगेगी. सरकार ने कंडेंस्ड मिलक, मक्खन, चीज, घी, डेयरी स्प्रेड, बटर ऑयल और दूध से बने पेय पदार्थों पर जीएसटी 12% से घटाकर 5% कर दिया. वहीं, यूएचटी दूध और पैक व लेबल वाले पनीर या छेना पर जीएसटी 5% से घटाकर शून्य कर दिया गया. कोको पाउडर, चॉकलेट और कोको से बने अन्य खाद्य पदार्थों पर भी जीएसटी 18% से घटाकर 5% कर दिया गया.

जीएसटी में कटौती की घोषणा के बाद कृषि और डेयरी से जुड़े शेयरों में जबरदस्त तेजी देखी गई. पारा मिलक फूड्स का शेयर 7.4% बढ़कर ₹63.50 पर पहुंच गया, जबकि डोडला डेयरी के शेयर 4.5% बढ़कर ₹,498.85 तक पहुंच गए थे. डेयरी उत्पादों पर हालिया जीएसटी कटौती से यूएचटी दूध, पनीर, मक्खन और घी पर लागे वाला टैक्स घटा है, जिसका सीधा फायदा उपभोक्ताओं को मिलेगा. मगर डेयरी ने यह सुनिश्चित किया है कि यह बचत ग्राहकों तक पहुंचे, जिससे डेयरी उत्पाद और किराफायती हो जाएं. इसके अलावा अमूल ने भी सरकार के कदम का स्वागत किया है और कहा है कि इससे डेयर सेक्टर को फायदा मिलेगा.

१- श्रद्धा बसूरी लॉटरी, साई मंदिर
२- जय भोले लॉटरी, डोरी लॉन
३- न्यू बॉम्बे लॉटरी, लक्ष्मी भवन चौक धरमपेट
४- साई लॉटरी, पंचशील चौक
५- अनिल बंसोड लॉटरी, झारसीरानी चौक बर्डी
६- नरेंद्र लॉटरी, शिवम्
७- रंजित लॉटरी, शिवम्
८- मयूरी लॉटरी, आकाशवाणी चौक
९- मां आंबे लॉटरी, आगाराम देवी

१०- नितिन लॉटरी, रामबाग कॉलोनी, मेडिकल चौक
११- दिलीप लॉटरी, नर्सिंग टॉकीज, महाल
१२ श्री गणेश लॉटरी नर्सिंग टॉकीज, महाल
१३- शुभम लॉटरी नर्सिंग टॉकीज, महाल
१४ श्री गजानन लॉटरी झोंडा चौक, महाल
१५- आशीष लॉटरी शाहिद चौक, इतवारी
१६- खवाजा लॉटरी कमाल टॉकीज, कमाल चौक
१७- वैभव लॉटरी इंदौरा चौक लक्ष्मी बाग

१८- चिकिते लॉटरी सक्करदरा चौक
१९- ओमसाई लॉटरी,महाकाळकर बिल्डिंग, छोटा ताजबाग
२०- गुरुदेव लॉटरी , गांधीचौक चंपपुर
२१- गजानन लॉटरी, अकोला
२२- प्रेम लॉटरी सेंटर, कमाल चौक
२३- नारायण लॉटरी, शाहिद चौक, इतवारी
२४- महावीर लॉटरी, बाजार चौक, कलमेश्वर

प्रविण कडू : 9822472123

सुविचार

अच्छी किताबें और अच्छे लोग

तुरंत समझ में नहीं आते

उन्हें पढना पड़ता हैं।

संपादकीय

बदरूप होता टकराव

□ पश्चिम बंगाल विधानसभा में गुरुवार को जो कुछ हुआ वह सदन की गरिमा और मर्यादा को तार-तार करने वाला है। टीएमसी और बीजेपी के बीच की तलछी विशेष सत्र के आखिरी दिन सतह पर आ गई। दोनों दलों में तगड़ी राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता और मतभेद हैं। सदन का इस्तेमाल इस पर सार्थक वाद-विवाद व चर्चा के लिए किया जा सकता था।सीएम ममता बनर्जी और उनकी पार्टी टीएमसी का आरोप है कि बीजेपी शासित राज्यों में रहने वाले पश्चिम बंगाल के लोगों को जागबूझकर निशाना बनाया जा रहा है। सदन में इसी पर चर्चा होनी थी, लेकिन जब विपक्षी विधायकों ने वेल में पहुंच कर हंगामा किया तो स्पीकर ने बीजेपी के चीफ व्हिप शंकर घोष को स्पेस दे कर दिया। उनको बाहर निकालने के लिए मार्शल बुलाने पड़े। इस दौरान वह बेहोश हो गए।प्रवासी बांग्ला भाषियों का मुद्दा ममता बनर्जी और उनकी पार्टी टीएमसी के लिए बेहद संवेदनशील है। वह इसे बांग्ला अस्मिता व पहचान से जोड़कर आगे बढ़ रही हैं। कुछ अरसा पहले उन्होंने यहां तक कह दिया था कि दूसरे राज्यों में गए बंगाल के लोग लौट आएं, सरकार उनका ख्याल रखेगी। तीन दिन पहले जब कोलकाता में लगे तृणमूल कांग्रेस के अस्थायी मंच को सेना ने हटा दिया था, तब भी काफी बवाल मचा था। तब सेना की तरफ से बताया गया था कि पार्टी ने परमिशन

खत्म होने के बाद भी मंच नहीं हटया था, इसलिए उसे कार्रवाई करनी पड़ी। पश्चिम बंगाल एक लंबे अरसे से केंद्र और राज्य के बीच टकराव का मैदान बना हुआ है। राज्यपाल के अनधिकृत दखल से लेकर एसआईआर तक - विवाद के कई बिंदु हैं। पूर्व राज्यपाल केशरीनाथ त्रिपाठी और जगदीप धनखड़ व मौजूदा गवर्नर सीबी आनंद बोस के साथ राज्य के रिश्ते कभी सामान्य नहीं रहे। केशरीनाथ ने जाते-जाते ममता पर तुष्टिकरण का आरोप लगा दिया था, तो धनखड़ ने कहा था कि बंगाल में लोकतांत्रिक हालात सही नहीं हैं। वहीं, ममता का आरोप है कि राजभवन के जरिये केंद्र उनके अधिकार क्षेत्र में हस्तक्षेप कर रहा है।विपक्ष शासित किसी और सूबे की तुलना में बंगाल में केंद्र-राज्य संघर्ष ज्यादा आक्रामक है। इसकी वजह है वहां की सियासत। पिछले विधानसभा चुनाव में बीजेपी पहली बार मुख्य विपक्षी पार्टी बनी थी। तब से वह अपना स्पेस लगातर बढ़ाने की कोशिश में है, जबकि टीएमसी के सामने चुनौती है अपनी जगह बचाए रखने की। राज्य में अगले साल मार्च-अप्रैल में विधानसभा चुनाव हो सकते हैं। चुनावी तारीख नजदीक आने के साथ टकराव और गहरा होगा। लेकिन, इसमें दोनों पक्षों को राजनीतिक मर्यादा और सीमाओं का ध्यान जरूर रखना चाहिए।

वास्तुशास्त्र

घर में पॉजिटिविटी लाने के लिए आज ही ले आएं ये

□ वास्तुशास्त्र का हमारे जीवन में बहुत गहरा प्रभाव पड़ता है। वास्तु दोह लाने पर कई तरह की समस्याएं होने लगती है। घर का वातावरण नकारात्मक हो जाता है। वास्तु दोष को दूर करने के लिए घर में कुछ तस्वीरें लगाई जाती हैं। वास्तु शास्त्र के अनुसार इन तस्वीरों को लगाने से घर का वास्तु शास्त्र सही हो जाता है और घर में पॉजिटिविटी आने लगती है। अगर आपको भी लगता है कि आपके घर में नेगेटिविटी है तो आज ही घर ले आएं वास्तु की ये तस्वीरें।वास्तुशास्त्र के अनुसार घर में लौटते हुए घोड़ों की तस्वीर लगाना शुभ होता है। इस तस्वीर को लगाने से घर का वातावरण सकारात्मक होने लगता है। दौड़ते हुए

घोड़े सफलता, प्रगति और ताकत के प्रतीक होते हैं।वास्तु के अनुसार घर में सूर्योदय की तस्वीर लगाना काफी शुभ माना गया है। यह तस्वीर नई शुरुआत का प्रतीक है। घर में सुख, शांति के लिए आप नदी या झरने की तस्वीर भी लगा सकते हैं। वास्तुशास्त्र के अनुसार नदी या झरने की तस्वीर लगाना बेहद शुभ माना जाता है। गणेश जी वास्तु शास्त्र के अनुसार गणेश जी की तस्वीर घर में लगाना बेहद ही शुभ है। गणेश जी प्रथम पूजनयी देव हैं और किसी भी कार्य से पहले गणेश जी की पूजा की जाती है। गणेश जी की तस्वीर घर में बाधाओं को दूर करती है और घर में सुख-समृद्धि आती है।

आलेख

रमेश लांजेवार

अंतर्राष्ट्रीय गिद्ध जागरूकता दिवस

□ प्रकृति के मित्र गिद्धों की घटती संख्या चिंताजनक है। हर साल सितंबर के पहले शनिवार को अंतर्राष्ट्रीय गिद्ध जागरूकता दिवस मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य गिद्धों की घटती संख्या के बारे में जागरूकता बढ़ाना है। 2009 में दक्षिण अफ्रीका और यूनाइटेड किंगडम के संगठनों द्वारा शुरू किया गया यह दिवस, गिद्धों के संरक्षण के महत्व पर प्रकाश डालता है, जो प्रकृति के नाजुक संतुलन को बनाए रखने के लिए बेहद जरूरी हैं।गिद्ध मुख्य रूप से मृत जानवरों का मांस खाकर पर्यावरण को साफ रखते हैं। वे एक तरह से प्रकृति के सफाईकर्मी हैं, जो बीमारी फैलाने वाले जीवाणुओं को फेंकने से रोकते हैं। लेकिन पिछले कुछ सालों में, भारत में इनकी संख्या में 90% तक की भारी गिरावट आई है, जो एक बहुत बड़ा पर्यावरणीय संकट है।

इस गिरावट का मुख्य कारण डाइक्लोफेनाक नामक दवा है। यह एक दर्द निवारक दवा है जो जानवरों को दी जाती है। जब गिद्ध इन जानवरों के शवों को खाते हैं, तो यह दवा उनके लिए ज़हर बन जाती है, जिससे उनकी किडनी फेल हो जाती है और वे मर जाते हैं।जब गंभीर स्थिति को देखते हुए, भारत सरकार ने 2006 में डाइक्लोफेनाक पर प्रतिबंध लगा दिया था और 2015 में इसके उत्पादन पर भी पूरी तरह से रोक लगा दी।



इसके बावजूद, इस दवा और अन्य हानिकारक दवाओं का इस्तेमाल अभी भी जारी है, जो गिद्धों के लिए खतरा बना हुआ है।

महाराष्ट्र वन विभाग जैसे संगठन गिद्ध संरक्षण प्रजनन केंद्र स्थापित करने का प्रयास कर रहे हैं। यह एक सराहनीय कदम है, लेकिन गिद्धों को बचाने के लिए और अधिक प्रयासों की आवश्यकता है।अंतर्राष्ट्रीय गिद्ध जागरूकता दिवस हमें याद दिलाता है कि हमें इस संकट को गंभीरता से लेना चाहिए। हमें यह समझना होगा कि यदि प्रकृति को सुरक्षित रखना है, तो इसके सफाईकर्मी गिद्धों को बचाना होगा। सरकार, वन विभाग और हर नागरिक को मिलकर डाइक्लोफेनाक जैसी हानिकारक दवाओं के उपयोग को रोकना होगा और गिद्धों के प्राकृतिक आवासों की रक्षा करनी होगी। यह याद रखना जरूरी है कि 'यदि जंगल सुरक्षित है, तो प्रकृति सुरक्षित है, और यदि प्रकृति सुरक्षित है, तो हम सुरक्षित हैं।' गिद्धों को बचाना केवल उनकी प्रजाति को बचाना नहीं है, बल्कि हमारे अपने भविष्य को भी सुरक्षित करना है।

संपादकीय

आईपीएस अंजना कृष्णा के वीडियो ने साबित किया, बीजेपी की 'वाशिंग मशीन' से दागी नेता नहीं धुलते?



संयम श्रीवास्तव

□ सोशल मीडिया पर एक विडियो वायरल हो रहा है जिसमें उपमुख्यमंत्री अजित पवार पुलिस उपाधीक्षक अंजना कृष्णा को डांट रहे हैं और कोई कार्रवाई रोकने का आदेश देते नज़र आ रहे हैं। जब पुलिस उपाधीक्षक कह रही हैं कि नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है, विडियो की स्क्रीट इस प्रकार है.अजित पवार सुनो सुनो मैं डिप्टी चीफ़ मिनिस्टर अजित पवार बोल रहा हूं. मैं आपको आदेश देता हूं कि ये रुकवाओ, तहसीलदार के पास जाओ, उनको बोली कि अजित पवार ने यह सब रुकवाने के लिए कहा, क्योंकि अभी मुंबई का माहौल खराब हुआ है, उसे प्राथमिकता देना है. मेरा नंबर दो उनको. आईपीएस कृष्णा अपना मोबाइल नंबर अजित पवार को देती हैं. इसके बाद अजित पवार आईपीएस

कृष्णा की वीडियो कॉल पर बातचीत होती है. इस पूरे विवाद पर एनसीपी प्रवक्ता आनंद परांजपे ने कहा कि उस कॉल का गलत मतलब निकाला जा रहा है. अजित पवार ने सिर्फ़ प्रोफेशनल तरीके से बातचीत की थी. उन्होंने कहा कि अंजना कृष्णा का यह कहना कि उन्हें राज्य के डिप्टी सीएम के बारे में जानकारी नहीं है, गलत है. लोकतंत्र में हर किसी की बात सुनी जानी चाहिए और इस वीडियो का गलत मतलब नहीं निकाला जाना चाहिए.

भारत की राजनीति में भ्रष्टाचार और सत्ता के दुरुपयोग के आरोप कोई नई बात नहीं हैं. विपक्ष लंबे समय से यह दावा करता रहा है कि भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) अपने राजनीतिक विरोधियों पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाकर उन्हें निशाना बनाती है, लेकिन जैसे ही कोई नेता या दल बीजेपी में शामिल होता है या उसके साथ गठबंधन करता है, वह ईमानदार घोषित कर दिया जाता है. इस प्रक्रिया को विपक्ष अक्सर वाशिंग मशीन के रूप में संदर्भित करता रहा है. इसका



सीधा मतलब रहा है कि बीजेपी के लिए भ्रष्ट नेता तभी तक कस्ट होतें हैं जब तक वो विरोध पक्ष में होते हैं. दरअसल सोलापुर, महाराष्ट्र में अवैध खनन में जब आईपीएस अधिकारी अंजना कृष्णा ने कथित तौर पर उपमुख्यमंत्री अजित पवार के दबाव को नज़रअंदाज कर इस गंभीर अपराध के खिलाफ कठोर कार्रवाई की. इस वीडियो ने न केवल स्थानीय स्तर पर बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर भी चर्चा को जन्म दिया. आईपीएस अंजलि ने अपने कर्तव्य के प्रति निष्ठा दिखाते हुए सत्ता के प्रभाव को दरकिनार कर कानून का पालन किया, जिससे उनकी ईमानदारी और साहस की प्रशंसा हो



रही है. अजित पवार, जो महाराष्ट्र की राजनीति में एक प्रभावशाली नाम हैं, लंबे समय से भ्रष्टाचार के आरोपों से घिरे रहे हैं. विशेष रूप से, 70,000 करोड़ रुपये के कथित सिंचाई घोटाले में उनका नाम बार-बार सामने आया. इस घोटाले में अनियमितताओं और धन के दुरुपयोग के गंभीर आरोप लगे थे. 2019 में, जब अजित पवार ने राकांपा को तोड़कर बीजेपी के साथ गठबंधन किया, तो महाराष्ट्र के भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने इस घोटाले से संबंधित नौ मामलों को बंद कर दिया. यह कदम विपक्ष के लिए एक बड़ा मुद्दा बना, जिसने

शिक्षक दिवस

डॉ प्रीतम गेडाम

छात्रों के सर्वांगीण विकास में शिक्षक की भूमिका कितनी कारगर



□ शिक्षक को हमारे समाज में माता-पिता के समान दर्जा दिया गया है। बच्चों के सर्वांगीण विकास में शिक्षक की भूमिका सबसे अहम मानी जाती है। एक सच्चा शिक्षक अपने ज्ञान, धैर्य, मूल्य और समर्पण से न केवल बच्चों को शिक्षित करता है बल्कि उन्हें एक अच्छा नागरिक भी बनाता है।

लेकिन आज शिक्षा व्यवस्था कई चुनौतियों से जूझ रही है, जिनमें शिक्षा का व्यवसायीकरण, भ्रष्टाचार, और गिरती नैतिकता प्रमुख हैं।कभी शिक्षा समाजसेवा मानी जाती थी, आज यह कमाई का जरिया बन गई है। बड़े-बड़े सरकारी अफसर और यहां तक कि शिक्षक भी अपने बच्चों को सरकारी स्कूलों में नहीं, बल्कि महंगे निजी संस्थानों में भेजते हैं। इससे सरकारी शिक्षा व्यवस्था पर विश्वास की कमी साफ दिखाई देती है।

आज बच्चों में अनुशासनहीनता और हिसक प्रवृत्तियों का विकास चिंता का विषय है। कई मामलों में छात्र शिक्षकों को धमकाते हैं या उन पर हमला करते हैं। इसका कारण है,

कविता

रंजना भाटिया

सुहानी सुबह हो रही है

खिले रात की गहराई में सपनो की हकीकत चांद के साथ रतजगा , ओढ़ के चांदनी की चादर पेड से लिपटी लता सी शुष पल्लवित घटा सी गण्ड की जुबान निशब्द हो रही है सीपी में बंद बूंद इसी

प्यार की बारिश घनेरी मोती सी खिल के बिस्तर की सलवटों में सपनों में खो रही है, सुजक बनी मेरी हर रचना तुझ से ही मिले प्रेणा बीज इस की वीणा के संग बस पल्लवित हो रही है

आस्था

बप्पा को प्रेम और श्रद्धा के साथ करें विदा



लाल वस्त्र बिछाएं, उस पर स्वास्तिक बनाएं और अक्षत रखें.गणेश जी को विदा करने से पहले उनकी अंतिम पूजा करें. उनको पंचामृत से स्नान कराएं. वस्त्र पहनाएं, तिलक करें और भोग लगाएं, साथ ही उनके समक्ष घी का दीपक जलाएं .गणेश जी के मंत्रों का जाप करें, गणेश जी की आरती

करें. साथ ही बप्पा से किसी भी गलती या भूल के लिए क्षमा याचना करें. सावधानी के साथ गणेश जी का विर्सजन करें. उनकी मूर्ति को सावधानी से उठाएं, किसी प्रकार का कष्ट ना दें.मूर्ति को जल में धीरे-धीरे विर्सजित करें, यह कहते हुए: गणपति बप्पा मोरया, अगले बरस त् जल्दी

लघुकथा

श्याम गुप्त

कहानी

प्रेम कुमार

मोड़ जीवन के

□ एक साहित्यिक आयोजन में हिन्दी कविता पर सारार्भित व्याख्यान के पश्चात अपने स्थान पर बैठने पर साथ में बैठे एक वरिष्ठ साहित्यकार ने कहा ,’बहुत शानदार व्याख्या , डा रसिक जी , आपने किस विश्वविद्यालय से व साहित्य के किस विषय पर शोध किया है ? क्या अभिप्रायः है आपका? आक्षर्य चकित होते हुए रसिक जी ने पूछा ,तो बगल में बैठे हुए अनित्य जी हंसते हुए बोले , ओर ! रसिक जी कोई साहित्य के डॉक्टर थोड़े ही हैं ? , वे तो ईजीनियरिंग के प्रोफेशनल पी-एच डी धारक हैं। ओह! पर यह मोड़ कैसे व कब आया? कहा नीरस ईजीनियरिंग और कहा साहित्य ? वे रसिक जी की ओर उन्मुख होते हुए कहने लगे ‘कविता तो सभी कर लेते हैं पर सम्पूर्ण साहित्यकारिता ,हर क्षेत्र में वह भी पूरी गहराई तक, यह मोड़ कैसे आया? रसिक जी हंसने लगे। यह तो मेरी व्यक्तिगत रूचि का

कार्य है। मैं यह मानता हु कि व्यक्ति को अपने प्रोफेशनल कार्य या अन्य कार्य में ऋद्धि-सिद्धि -प्रसिद्धि प्राप्त करलेने के पश्चात वहीं अटके नहीं रह जाना चाहिए अपितु आगे बढ़ जाना चाहिए ,नयी-नयी राहों पर, लक्ष्यों पर। जीवन स्वयं ऋजु मार्ग कम होता है? जीवन तो स्वयं ही विभिन्न मोड़ों से भरा होता है। वे शायद अतीत के झरोखों में झांक्ते हुए कहने लगे ,यह कोई मेरे जीवन का प्रथम मोड़ नहीं है। बचपन में प्राथमिक कक्षाओं में उन्मुक्त, चिंता रहित खेलने-खाने के दिनों में सामान्य क्षात्र की भांति जीवन का एक सुन्दर सहज भाग बीता ही था कि कुछ घरेलू परिस्थितियों के कारण मुझे अध्ययन त्याग कर प्राइवेट सर्विस करनी पड़ी जो जीवन का दूसरा दौर था। वह भी एक विशिष्ट जीवन-अनुभव का दौर रहा, जहां बहुत कुछ स्वयं शिक्षा के अनुभवों द्वारा, साथियों, सहकर्मियों, मालिकों द्वारा विभिन्न प्रकार का ग्यान हुआ।

व्यंग्य

सीताराम गुप्ता

संतलाल चाय पीकर चला गया। मैंने पत्नी से कहा कि शाम को जल्दी खाना बना लेना।

खुराक

□ संतलाल से मेरा थोड़ा परिचय जरूर था पर मित्रता नहीं। परिचय के कारण था एक ही डिपार्टमेंट में काम करना और संतलाल का और मेरा गांव एक ही बस के रूट पर होना। एक दिन रविवार को दोपहर बाद लगभग पांच बजे संतलाल मेरे घर आया और कहने लगा, ‘तुम्हारे गांव में मेरे कई रिश्तेदार रहते हैं। मुझे किसी काम से दीनदयाल जी के घर जाना है। चल मेरे साथ चल उनके घर तका।’ मैंने पूछा, ’’क्या आप उनका घर नहीं जानते?’’ ‘जानता क्यों नहीं?’ मेरे ख़ास रिश्तेदार हैं।’ संतलाल ने बताया। ‘फिर मैं क्या करूंगा आपके साथ जाकर? आप खुद ही चले जाओ,’ मैंने कहा।

संतलाल उठकर जाने लगा तो मैंने कहा ‘ऐसे नहीं पहली बार हमारे घर आए हो चाय पीकर जाना।’ संतलाल बैठ गया और बोला, ‘चाय की तो ख़ास इच्छा नहीं पर वापसी में आवूंगा और खाना खा के जाऊंगा।’ ‘अच्छी बात है ये तो भाई साहब, मैंने कहा।

यू पाईल्स सिरप तथा पाईल्स रिलैक्स और पाइलामृत कैप्सूल

□ आयुर्वेद एक जीवनशास्त्र तथा वरदानी चिकित्सा शास्त्र भी है। पाईल्स अर्थात बवासीर पर इसने कई हजार वर्षों से सफल प्रभावी ईलाज किया जाता आ रहा है। इस पाईल्स या बवासीर को अर्थ या मूलव्याध भी आयुर्वेद में कहा गया है। शिवशंकर आयुर्वेद एजेंसी सीताबर्डी नागपुर द्वारा निर्मित एक वितरित यू पाईल्स सिरप तथा पाइल्स रिलैक्स और पाईलामृत कैप्सूल पाइल्स पर

अच्छा आराम देते हुए पाए गए है. पाइल्स या मूलव्याधि समूल नष्ट नहीं होग. इसे पथ्य और औषधि सेवन से शांत किया जा सकता है. शल्य क्रिया करके भी पाइल्स फिज अपथ्य करने से पुनरुद्भव हो सकता है. उसको पथ्यापथ्य से और औषधी सेवन ठीक किया जा सकता है। शल्यक्रिया (ऑपरेशन) करके भी पाईल्स सिरप अफथ्य सेवन करने से पुनरुद्भव हो सकता है। परंतु पथ्यापथ्य के

पॅनल्स ऑफ डॉक्टर्स



डॉ. आकांशा रा. गुप्ता B.A.M.S, MD, (AM) C.C.H, C.G.O, C.V.D

डॉ. पारूल मोहित गुप्ता B.A.M.S, PG-DEMS NDDY, CCNY, CCHC

डॉ. रचना मयूर गुप्ता B.A.M.S, MD,

डॉ.अतुल तेलवंद्रे B.A.M.S, MD, M.I.S.R (Mum), C.C.H, C.G.O, C.A.D, C.V.D

होते हुए देखा गया है. शिवशंकर आयुर्वेदिक क्लिनिक के अनुभवी मानदर्थक वैद्यो को अनुभव आया है। तथा इच्छुक व्यक्ति शिवशंकर आयुर्वेदिक एजेंसी अथवा शिवशंकर आयुर्वेदिक

क्लिनिक के अनुभवी वैद्यो की अनुभवी सलाह से परामर्श कर उपयुक्त यू पाइल्स सिरप एवम पाइल्स रिलैक्स और पायलामुत कैप्सुल्स का सेवन करके अपनी समस्या का समाधान पाए.

सीताबर्डी स्तिथ शिवशंकर आयुर्वेदिक एजेंसी अथवा क्लिनिक में इन दूरध्वनी क्रमांको पर संपर्क स्थापित करें. 9112079000/8605245080.

नागपुर मेट्रो समाचार : फैजान मिडिया सर्विसिंस प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक: फैजान सिराज शेख ने देश पब्लिकेशन, ई-30/2 हिंगणा एमआईडीसी, नागपुर-16 से मुद्रित कर 532, हनुमान नगर नागपुर.440009 से प्रकाशित किया.

संपादक: इमरान मुमताज शेख, मो. 9730005662 (पीआरबी एन्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) ngpms2019@gmail.com RNI.NO - MAHHIN/2019/78960 (सभी न्यायालयीन प्रक्रिया नागपुर न्यायालय में होगी.)





राज्य सरकार का यह रुख कि, ओबीसी आरक्षण नहीं दिया जा सकता, स्वागत योग्य : डॉ. अशोक जीवतोड़े

चंद्रपुर, सुनील तावडे

राज्य सरकार प्रचलित नियमों के आधार पर, सक्षम अधिकारियों के माध्यम से प्रचलित वंशावली की जाँच करके और गाँव के कुल और रिश्तेदारी के हलफनामों की जाँच करके, यदि कुनबी, कुनबी-मराठा, मराठा-कुनबी होने का रिकॉर्ड है, तो मराठा समुदाय के पात्र व्यक्तियों को कुनबी प्रमाण पत्र देकर ओबीसी श्रेणी में शामिल किया जा सकता है, जिससे मराठा आंदोलनकारी मनोज जरांगे का आंदोलन समाप्त हो जाएगा। ऐसा होने पर ओबीसी वर्ग के आरक्षण पर कहीं भी कोई असर नहीं पड़ेगा। कुनबी प्रमाणपत्र धारकों को ओबीसी में शामिल करने पर हमें कोई आपत्ति नहीं थी, लेकिन राज्य सरकार सामान्य रूप से ओबीसी को आरक्षण न देने पर अड़ी हुई थी और है, हम इसका स्वागत करते हैं, भारतीय जनता पार्टी, ओबीसी मोर्चा के महाराष्ट्र प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. अशोक जीवतोड़े ने कहा।

डॉ. अशोक जीवतोड़े ने राज्य सरकार के इस रुख का स्वागत किया है कि सामान्य रूप से मराठा समुदाय



को ओबीसी आरक्षण नहीं दिया जा सकता। ओबीसी समुदाय कहीं भी प्रभावित नहीं होगा। जीवतोड़े ने फडणवीस सरकार को यह सुनिश्चित करने के लिए बधाई दी है कि मराठों को सामान्य रूप से ओबीसी से आरक्षण नहीं मिलेगा। जिन लोगों को जाति प्रमाण पत्र नहीं मिला है और जिन्हें कठिनाइयों का सामना करना

पड़ रहा है, उन्हें जाति प्रमाण पत्र प्रदान करने के लिए राज्य सरकार द्वारा किए गए प्रयास सराहनीय हैं।

राज्य सरकार ने हैदराबाद राजपत्र को लागू करने का निर्णय लिया है। इस संबंध में एक निर्णय भी जारी किया है। हैदराबाद राजपत्र में कहीं भी सामान्य रूप से मराठों को कुनबी प्रमाण पत्र देने का उल्लेख

> हैदराबाद राजपत्र के अनुसार, गाँव के कुल और रिश्तेदारी की जाँच के बाद पितृसत्तात्मक तरीके से कुनबी प्रमाण पत्र दिए जाएँगे;
> मराठों को कुनबी प्रमाण पत्र परम्परागत तरीके से दिए जाएँगे;
इसलिए ओबीसी को घबराने की कोई आवश्यकता नहीं है

नहीं है। हैदराबाद राजपत्र के अनुसार, पितृसत्तात्मक व्यवस्था के अनुसार, कुनबी प्रमाण पत्र प्राप्त करते समय गाँव के कुल और रिश्तेदारों द्वारा यह प्रमाणित करना आवश्यक है कि वे कुनबी हैं। सक्षम समिति वंशावली तैयार करेगी और उसके अनुसार यह जाँच की जाएगी कि कोई कुनबी गोत्र है या नहीं। जाति प्रमाण पत्र जारी करते समय इसकी वैधता की जाँच की जाएगी। 2001, 2012 और 2024 के सरकारी निर्णयों में पूर्वज, दादा, पंजोबा और खापरपंजोबा शब्दों को बरकरार रखा गया है। इसलिए, यहाँ यह अत्यंत महत्वपूर्ण है कि किसी भी मराठा को अवैध तरीकों से ओबीसी में शामिल नहीं किया जाएगा, इसलिए ओबीसी को डरने की कोई आवश्यकता नहीं है।

हैदराबाद राजपत्र बहुत पुराना है। उसके अनुसार, यदि कुनबी अभिलेख मिल जाते हैं, तो आपत्ति का कोई कारण नहीं है, लेकिन यदि कुनबी

अभिलेख नहीं है, तो कुनबी प्रमाण पत्र नहीं मिलेगा, या फिर ओबीसी से आरक्षण नहीं मिलेगा।

डॉ. जीवतोड़े ने यह भी चेतावनी दी है कि यदि सरकार अब भी कुछ नहीं करती है, तो हम इससे भी बड़ा आंदोलन करेंगे। मराठा कार्यकर्ता मनोज जरांगे द्वारा मुंबई में ओबीसी में मराठों के लिए आरक्षण की मांग और मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की व्यक्तिगत आलोचना के विरोध में किए गए प्रदर्शन की पृष्ठभूमि में डॉ. अशोक जीवतोड़े ने जरांगे की तस्वीर पर चप्पल मारकर विरोध जताया था। वे पूरे महाराष्ट्र में प्रसिद्ध थे और उन्होंने बार-बार यह रुख अपनाया था कि मराठों को ओबीसी से आरक्षण नहीं दिया जाना चाहिए। गौरतलब है कि इन सभी मामलों की कानूनी जाँच एक विशेषज्ञ द्वारा की गई। ऐसी जानकारी ओबीसी नेता डॉ. अशोक जीवतोड़े ने प्रेस विज्ञप्ति द्वारा दी।

हंसराज अहीर द्वारा सार्वजनिक गणेशजी का दर्शन



चंद्रपुर. चंद्रपुर महानगर में सार्वजनिक गणेश मंडलियों के लिए उपहार देकर राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग अध्यक्ष और पूर्व केंद्रीय गृह राज्य मंत्री हंसराज अहीर द्वारा श्री गणेश मूर्तियों का दर्शन लिया गया। अनेक जगह में पूजा अर्चना की. हर किसी के जीवन में खुशी, समृद्धि और स्वास्थ्य की कामना की.

किसान संघ के शरद जोशी को रक्तदान कर भावपूर्ण श्रद्धांजलि राजुरा, संतोष कुंदोजवार

किसान संघ के संस्थापक, पूर्व सांसद शरद जोशी की जयंती के अवसर पर आज रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। 3 सितंबर, 2025 को सुबह 11 बजे राम मंदिर हॉल में किसान संघ के नेता, पूर्व विधायक एडवोकेट वामनराव चटप द्वारा इस रक्तदान शिविर का उद्घाटन किया गया। सर्वप्रथम शरद जोशी की छवि पर माल्यार्पण किया गया। इस शिविर में 50 रक्तदाताओं ने रक्तदान किया। रक्त संग्रह का कार्य चंद्रपुर जिला सामान्य अस्पताल और राजुरा उपजिला अस्पताल के चिकित्सा अधिकारी और टीम द्वारा किया गया। कार्यक्रम में एडवोकेट मुरलीधर देवलकर, जिला परिषद, पूर्व अध्यक्ष नीलकंठ कोरगे, रमेश



नले प्रभाकर धवस, शेषराव बोंडे, एडवोकेट श्रीनिवास मुसले, एडवोकेट दीपक चटप, हरिदास बोरकुटे, दिनकर दोहे, कपिल इड्डे, भाऊजी कुलसंगे, मधुकर चिंचोलकर, पुंडलिक वधाई, बबन रणदिवे, बलिराम खुजे सहित किसान संगठन, किसान युवा मोर्चा, किसान महिला मोर्चा और बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित थे।



कारवा बल्लारपुर रोड पर नाले में आई बाढ़ के कारण कुछ लोग फँस गए थे। रात 12 बजे जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी के माध्यम से सूचना मिलते ही तहसील कार्यालय में उपलब्ध बचाव उपकरणों के साथ टीम मौके पर पहुँची। तब तक उन्हें कारवा स्थित सोमाजी नाइक आश्रम स्कूल में ठहराया जा चुका था। इसके बाद, तहसील बल्लारपुर कार्यालय के वाहन द्वारा सभी लोगों को सुरक्षित बल्लारपुर पहुँचाया गया।

भारी बारिश को देखते इराई बांध के सभी सात गेट खोल दिए चंद्रपुर.

चंद्रपुर में लगातार हो रही भारी बारिश की वजह से इराई बांध के सभी सात गेट खोल दिए गए हैं। अतः इराई नदी के तट पर पदमापुर, किताली, मसाला, पडोली, यशवन्तनगर, दाताला, आरवट, नांदगांव पोडे, भटाली, वडोली, चिंचेरी, कडोली, पायली, खैरगांव, चांदसुला, विचोडा बुजुर्ग, अंभोला, लखमापुर, कोसरा, खुटाला हाडस्ती, चारवट, कावटी, चेक तिरवंजा, देवल, चोरला, हिंगनाला में रहने वाले सभी नागरिक चिंचोली, मिंगांव, वडगांव, चंद्रपुर, माना और अन्य नदी किनारे बसे गांवों को सतर्कता बरतने की जिला प्रशासन की अपील।

घुटना, कूल्हा, कंधा और कोहनी की जाइंट रिप्लेसमेंट सर्जरी

> जीवन को बदलने वाले और दीर्घकालिक समाधान!

चंद्रपुर.

जहाँ पहले की पीढ़ी के लोग अक्सर जोड़ों के दर्द को लेकर डॉक्टर से परामर्श लेने में देरी करते थे, वहीं आज के सक्रिय जीवनशैली जीने वाले व्यक्ति पूर्ण जाइंट रिप्लेसमेंट सर्जरी के माध्यम से राहत पा रहे हैं। उम्र बढ़ने के साथ जोड़ों का घिसना और दर्द होना स्वाभाविक प्रक्रिया है और इसके साथ आने वाले दर्द और तकलीफें भी आम हैं। भारत में वृद्ध जनसंख्या में ऑस्टियोआर्थराइटिस (गठिया) सबसे सामान्य प्रकार का गठिया है। जोड़ों की सतहों को ढकने वाली हड्डियाँ एक सुरक्षात्मक उपस्थि

(कार्टिलेज) की परत से ढकी होती हैं, जो झटकों और कंपन को सोखती हैं और गति के दौरान हड्डियों को सहजता से सरकने में मदद करती हैं। लेकिन गठिया के कारण यह कार्टिलेज धीरे-धीरे घिसने लगती है, जिससे हड्डियों के आपस में घिसने से तेज दर्द होता है। यद्यपि ऑस्टियोआर्थराइटिस शरीर के सभी जोड़ों (जाइंट) को प्रभावित कर सकता है, लेकिन वजन सहने वाले जाइंट जैसे कूल्हे और घुटनों में दर्द अधिक होता है। जिन्हें दर्द के कारण दैनिक कार्य करने में कठिनाई होती है, आराम करते समय



या रात के समय भी दर्द होता है और जिनकी चलने-फिरने की क्षमता सीमित हो गई है, उन्हें सर्जरी की आवश्यकता होती है। जाइंट रिप्लेसमेंट

सर्जरी का मुख्य उद्देश्य क्षतिग्रस्त या घिसे हुए जाइंट की सतहों को मेटल, प्लास्टिक, पॉलीइथिलीन, सिरैमिक या इन सुविधियों के संयोजन से बने कृत्रिम जाइंट से बदलना होता है। आज कृत्रिम जाइंट की अधिक विविधताएँ उपलब्ध हैं, और ऑर्थोपेडिक सर्जन मरीज की आवश्यकताओं के अनुसार सर्वोत्तम विकल्प बनने में सामना करने हैं।

राजमार्ग व्यवस्था का लचर प्रबंधन, वाहनचालक व्यथित और आक्रोशित

राजुरा, संतोष कुंदोजवार

> कितनी जान जानें के बाद ही गड्डे भरे जाएँगे?



निकल आई हैं। पुल अब खतरनाक स्थिति में पहुँच चुका है और किसी भी बड़े हादसे और जानमाल की हानि की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। साथ ही, पुल पर हाईवे के दोनों ओर एक-एक फुट गहरे और चार-चार फुट चौड़े गड्डे हादसों को न्योता दे रहे हैं। सड़क गड्डों से पट गई है और दिखाई देना बंद हो गया

है। गड्डों में पानी जमा होने के कारण वाहन चालक खतरनाक गड्डों का अंदाज़ा नहीं लगा पाते। टायर फटने से चौपटिया वाहन भी क्षतिग्रस्त हो रहे हैं। सड़क पर जाम की स्थिति बनी रहती है। वाहन चालकों को जान जोखिम में डालकर यात्रा करनी पड़ रही है। सुरजागढ़ से लौह अयस्क परिवहन करने वाले भारी वाहन

दिन-रात इस राजमार्ग पर 40-50 टन खनिज ढोते हैं, जिससे सड़क और पुल की हालत खस्ता हो गई है। ये वाहन लगातार दुर्घटनाओं का कारण बन रहे हैं।

बल्लारपुर विधानसभा क्षेत्र के विधायक सुधीर मुनगंटीवार ने एक महीने पहले कोठारी का दौरा कर पुल और सड़क की खराब स्थिति का निरीक्षण किया था। उन्होंने कहा था कि संबंधित विभाग के अधिकारियों को इस बारे में अवगत कराया जाएगा और तत्काल और स्थायी कार्रवाई के निर्देश दिए जाएँगे।

यदि इन गड्डों के कारण कोई दुर्घटना होती है और जान जाती है, तो राजमार्ग प्राधिकरण विभाग, राजनीतिक प्रतिनिधियों और ठेकेदार को ज़िम्मेदार ठहराते हुए एक बड़ा जन आंदोलन किया जाएगा ऐसी चेतावनी नागरिकों ने दी।

सरकार की विभिन्न योजनाओं की सूचना पुस्तिका का अनावरण नागभीड़.

बाल गणेश उत्सव मंडल, भगत सिंह चौक नागभीड़ की ओर से, राज्य सरकार द्वारा इस वर्ष गणेशोत्सव को राजकीय उत्सव का दर्जा दिए जाने के उपलक्ष्य में, महिलाओं के लिए सरकार की विभिन्न योजनाओं की एक सूचना पुस्तिका का अनावरण विधायक बंटी भांगड़िया ने किया। मंडल की विभिन्न गतिविधियों की प्रशंसा करते हुए, विधायक बंटी भांगड़िया ने सभी लोगों को गणेश उत्सव की शुभकामनाएं दीं।

महिलाओं के सशक्तिकरण और सबलीकरण के लिए केंद्र और राज्य सरकारों के माध्यम से विभिन्न योजनाएं कार्यान्वित की जा रही हैं, लेकिन अभी भी कई महिलाओं को इसकी जानकारी नहीं है और वे इसका लाभ नहीं उठा पाती हैं। इसके लिए, इस अवसर पर महिलाओं के लिए विभिन्न योजनाओं वाली एक सूचना पुस्तिका का विमोचन किया गया। बाल गणेश उत्सव मंडल हर साल विभिन्न सामाजिक गतिविधियों को क्रियान्वित करता है। इसे ध्यान में



रखते हुए, महाराष्ट्र सरकार ने लोकमान्य महोत्सव 2016 में मंडल को जिला स्तर के प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया है। इस अवसर पर, विधायक बंटी भांगड़िया को लगातार तीसरी बार विधानसभा चुनाव जीतने पर सम्मान चिह्न से सम्मानित किया गया। चंद्रपुर जिला केन्द्रीय सहकारी बैंक के निदेशक पद पर गणेश तारवेकर और कृषि उपज बाजार समिति के अध्यक्ष आवेश पटान को भी सम्मानित किया

गया। इस अवसर पर पूर्व जिला परिषद सदस्य संजय गजपुरे, स्वामी विवेकानंद पतसंस्था के अध्यक्ष प्रो. देवीदास चिलबुले, उपाध्यक्ष अजय कांबरा, नप के पूर्व अध्यक्ष सचिन अकुलवार, राजेंद्र चिलबुले, प्रिया लॉन्ड सहित मंडल अध्यक्ष प्रशांत भूरे, उपाध्यक्ष विनोद गिरडकर, सचिव जयंत अमृतकर और मंडल के सभी पदाधिकारी, सदस्य और गणेश भक्त उपस्थित थे।

BTP inn
BTP HOTELS & RESORTS

HOTEL BTP INN CHIKHALDARA
BTP HOTELS & RESORTS

Experience The Beautiful Hill Station In Maharashtra

Privilege Facilities

- AC Rooms
- AC Conference Hall
- DJ Hall or PUB
- All Day Dining
- Digital TV Connection
- Wi-Fi
- In Room Dining
- On request Iron & Iron Board
- Doctor on Call
- Taxi Services available from Nagpur
- Ticketing Air, Railway, Buses
- Complimentary Breakfast
- Complimentary 1 Water Bottle Per Person

Room Features

- Smoking rooms
- Airconditioned With Remote Control
- Wardrobe
- 42' LED TV with Satellite Connection
- Best in class washroom amenities
- Fresh & Clean Linen
- Wooden Floorings

Other Facilities

- In Room Dining
- Daily Housekeeping Services
- Iron & Iron Board on Request

Address:
Hurricane Point Road, Behind Forest Garden, Chikhaldara-444807

btpinn@btpyatra.com
M: +919112223442
Toll Free: 1800 2090 999

मच्छरों, भूख और अंधेरे से जूझते लोग

> पीड़ितों से मिलने पहुंचे केजरीवाल

नई दिल्ली.

आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल शुक्रवार को दिल्ली में बाढ़ जैसे बने हालातों से प्रभावित लोगों के बीच पहुंचे और उनका हाल-चाल जाना. शास्त्री पार्क राहत सिविल कैंप पर पहुंचकर अरविंद केजरीवाल ने वहां रह रहे लोगों से मुलाकात की और उनकी परेशानियां सुनी.

राहत शिविर कैंप में रह रहे लोगों ने बताया कि उन्हें यहां बिजली नहीं मिल रही है, साथ ही खाना और सरकारी सुविधाएं नहीं मिल रही हैं. कुछ लोगों की यह भी शिकायत थी कि वे यहां कई दिनों से रह रहे हैं, एक दिन पहले ही टेंट लगाए गए हैं, और मच्छर बहुत हैं.

लोगों की परेशानियां सुनने के बाद अरविंद केजरीवाल ने कहा कि



पिछले कुछ दिनों से दिल्ली में बाढ़ जैसे हालात बने हुए हैं, कई इलाकों के अंदर पानी भर गया है. '

दिल्ली में खासकर जो गरीब लोग हैं और यमुना के तट पर रहते थे, ऐसे गरीब लोगों को अपने-अपने घर खाली करके सरकार के द्वारा बनाए गए रिलीफ कैंप जाने के लिए मजबूर किया गया है. उन्होंने कहा कि अभी हम ऐसे ही एक रिलीफ कैंप में लोगों

का हाल-चाल पूछने के लिए आए हैं. लोगों को कई तरह की तकलीफें हैं, उन्हें खाना टाइम पर नहीं मिल रहा है, मच्छर बहुत ज्यादा हैं, उसका कोई इंतजाम नहीं है, पीने के पानी की तकलीफ है. '

टेंट भी ऊपर से बारिश आ रही थी, लेकिन बता रहे हैं कि कल ही टेंट लगाए हैं.

अरविंद केजरीवाल ने आगे कहा

कि हमारा सरकार से निवेदन है कि हम समझ सकते हैं कि यह कुदरत का क्रूर है, लेकिन ऐसे में सरकार की जिम्मेदारी है कि वह गरीबों के लिए और दूसरे नागरिकों के लिए सारे इंतजामात करें. उन्होंने कहा कि हमारा सरकार से निवेदन है कि जो रिलीफ कैम्प हैं, जहां पर गरीब लोग आने के लिए और रहने के लिए मजबूर हैं, वहां पर सारी सुविधाएं दी

जनता को सुविधा दे सरकार: केजरीवाल

अरविंद केजरीवाल ने कहा कि हमारी सरकार से यही निवेदन है कि जितना ज्यादा से ज्यादा हो सके जनता को सुविधा प्रदान करें. जनता को किसी तरह की तकलीफ नहीं होनी चाहिए. पीने के पानी और सीवर सबका इंतजाम किया जाए. उन्होंने कहा कि इस समय पूरा उत्तर भारत, जम्मू कश्मीर, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, दिल्ली, और उत्तराखंड यह पूरा का पूरा इलाका बाढ़ से ग्रसित है. उन्होंने कहा कि हमारा केंद्र सरकार से यही निवेदन है कि जनता को राहत पहुंचाने के लिए जितना बन सके उतना काम करें.

जाए दूसरा इस वक्त पूरी दिल्ली के अंदर भी जगह-जगह पर पानी भर गया है, और कई इलाकों में एक बड़ा कारण यह भी है कि डीसिलिटिंग टाइम पर नहीं हुई. कई ऐसे इलाकें हैं जहां नालों की सफाई टाइम पर नहीं हुई, सीवर बैक मार रहा है. कई इलाकों में पीने का पानी नहीं आ रहा है, जिससे लोगों को बहुत ज्यादा परेशानी का सामना करना पड़ रहा है.

लखनऊ.

उत्तर प्रदेश के देवरिया जिले में एक मॉल में काम करने वाली लड़की ने मॉल के मालिक, उसकी पत्नी और उसके साले पर यौन शोष का आरोप लगाया है. लड़की ने बताया कि मॉल मालिक और उसके साल ने उसका यौन शोषण किया. यौन शोषण करने के बाद उसका वीडियो भी बना लिया और उसे ब्लैकमेल करने लगे. पीड़िता ने कहा कि उस पर धर्म परिवर्तन करने का दबाव भी बनाया गया. साथ ही लड़की ने यह भी आरोप लगाया कि मॉल में जो व्यापारी आते हैं उन्हें लड़कियां भी सफ़ाई की जाती हैं .

पीड़िता ने इस मामले की शिकायत एस्पपी से की है. एस्पपी ने मामले की गंभीरता को देखते हुए इसकी जांच अपर पुलिस अधीक्षक को सौंपी दी है. देवरिया शहर में ईजी मार्ट और एस एस माल है. दोनों मॉल के मालिक का नाम उस्मान है.



मॉल में काम करने वाली लड़की ने पुलिस से शिकायत की है कि मॉल में काम करने वाली सभी लड़कियों को गुमराह किया जाता है. लज्जरी जीवन जीने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है. उन पर धर्म परिवर्तन के लिए दबाव बनाया जाता है. कहा जाता है मेरा धर्म सबसे अच्छा है.

पीड़ित लड़की ने बताया कि मेरे साथ भी माल के मालिक और उसके साले ने गलत काम किया और उसका वीडियो और फोटो भी बनाया और मुझे ब्लैकमेल करने लगे. फिर मैंने

मॉल में काम करना छोड़ दिया. पीड़ित ने बताया कि मॉल में जो व्यापारी पैसा लेते आते हैं उन्हें लड़कियां परोसी जाती हैं. मॉल मालिक की पत्नी भी इसमें शामिल है और माल मालिक

उस्मान का साला भी शामिल है. वहीं पीड़ित लड़की ने पूरे मामले में पुलिस अधीक्षक से शिकायत कर कार्रवाई की मांग की है. पीड़ित ने यह भी बताया कि जो माल का मालिक उस्मान है उसका साला गौहर अंसारी है, जो अभी जेल में है. जिसने बहला फुसलाकर एक हिंदू लड़की से शादी की थी. इस पूरे मामले में देवरिया के एस्पपी विक्रांत वीर ने कहा कि पीड़िता आई थी. पूरे मामले की जांच एस्पपी को दी गई है. जांच रिपोर्ट आते ही कार्रवाई की जाएगी.

नेपाल में बैन के बाद भी इंस्टा-फेसबुक चालू

काठमांडू.

नेपाल की सरकार ने फेसबुक, इंस्टाग्राम और ट्विटर जैसे सोशल साइट्स को बंद करने का फैसला किया है. सरकार ने नए कानून के तहत इन सभी सोशल साइट्स पर प्रतिबंध लगाए हैं. एक तरफ जहां सरकार के इस फैसले का विरोध हो रहा है. वहीं नेपाल के लोग इसे चलाने के लिए नए-नए तरीक़े निकाल रहे हैं.

कांतिपुर मीडिया के मुताबिक जैसे ही सरकार ने फेसबुक और इंस्टाग्राम जैसे सोशल साइट्स पर बैन लगाया, वैसे ही लोग वीपीएन की तरफ बढ़ने लगे. वीपीएन का इस्तेमाल कर लोग वहां आसानी से इन बैन साइट्स को चला रहे हैं. नेपाल साइबर पुलिस के प्रवक्ता दीपक राज अवस्थी के मुताबिक वीपीएन के इस्तेमाल में



बढ़ोतरी देखी जा रही है. वीपीएन के सुरक्षित न होने के बावजूद लोग इसका जमकर इस्तेमाल कर रहे हैं. हम लोग लगातार मॉनिटरिंग कर रहे हैं. काठमांडू पोर्ट के मुताबिक अभी तक इंटरनेट सेवा प्रदाता संघ के जरिए जो लोग फेसबुक और इंस्टाग्राम चला रहे हैं. उन्हें इसका इस्तेमाल करने में कोई परेशानी का सामना नहीं करना पड़ रहा

है. इंटरनेट सेवा प्रदाता संघ का कहना है कि हमें सरकार से अभी चिठ्ठी मिली है. हम इसके लेकर रोडशेप तैयार कर रहे हैं. इसके बाद आगे का एक्शन लेंगे. वहीं बॉर्डर इलाके में भी लोगों को फेसबुक और इंस्टा इस्तेमाल करने में ज्यादा कठिनाई नहीं हो रही है.

नेपाल सरकार ने गुरुवार (4 सितंबर) को 26 सोशल नेटवर्किंग ऐप को बंद करने का फैसला किया. सरकार के संचार पृथ्वी सुब्बा गुरुंग के मुताबिक यह फैसला नए नियम

के तहत लिया गया है. नेपाल सरकार ने वहां के सुप्रीम कोर्ट के कहने पर 2023 में एक कानून तैयार किया था. इसके मुताबिक सभी सोशल नेटवर्किंग साइट्स का नेपाल में अनिवार्य रूप से रजिस्ट्रेशन होगा. हर 3 साल पर साइट्स को फिर से नेपाल सरकार के पास रजिस्ट्रेशन के लिए जाना होगा. वहीं हरिक सोशल मीडिया ऐप को नेपाल में एक संपर्क अधिकारी नियुक्त करना होगा, जो गलत कंटेंट पर तुरंत एक्शन ले सके. ऐप को यह बताना होगा कि उसके नागरिकों की जानकारी कहीं और नहीं लौक हो रही है. प्रतिबंध के तुरंत बाद नेपाल सरकार ने मेटा से संपर्क किया है. कहा जा रहा है कि 7 दिन के भीतर मेटा का विवाद सुलझ सकता है. नेपाल में मेटा फेसबुक, इंस्टाग्राम और थ्रिएट का ऑपरेशन देखती है.

पंजाब में गेहूं को लेकर धारा 144 लागू

लाहौर.

पाकिस्तान की पंजाब सरकार ने गेहूं को लेकर पूरे प्रांत में धारा-144 लागू किया है. पंजाब सरकार का कहना है



कि बाढ़ की वजह से आटा का संकट आने वाला है. इसलिए धारा 144 लागू किया गया है. पाकिस्तान के पंजाब में 3 नदियां उफान पर है, जिसकी वजह से बाढ़ का तांडव मचा हुआ है. गेहूं को लेकर धारा 144 लागते ही पूरे प्रांत में चारा मील के बाहर सुरक्षा बलों की तैनाती की गई है. सरकार को लगता है कि गेहूं का सबसे ज्यादा इस्तेमाल चारा मील में ही किया जाता है. चारा मील वाले गेहूं को सामान बनाकर पशुओं के खाने का चारा तैयार करते हैं.

पंजाब सरकार ने अपने आदेश में कहा है कि संभावित आटा संकट रोकने के लिए अगले 30 दिन के लिए गेहूं को लेकर धारा-144 लागू किया जा रहा है. इस आदेश के बाद पाकिस्तान के नागरिक अब गेहूं को सिर्फ आटा मील में ही ले जा सकते

हैं. सरकार के प्रवक्ता का कहना है कि वर्तमान में पंजाब के पास 104184 मीट्रिक टन गेहूं ही बचा है. जिस तरीके से पाकिस्तान में बाढ़ आई है, उससे नहीं लग रहा है कि इस बार गेहूं का उत्पादन हो पाएगा. सरकार ने गेहूं की कीमतों में बढ़ोतरी को रोकने के लिए यह फैसला किया है. पंजाब सरकार का कहना है कि उसे सूचना मिली है कि लोग मुर्गा पालन और अन्य पशुओं के पालन के लिए गेहूं का इस्तेमाल करते हैं. ऐसे में गेहूं की खपत और ज्यादा बढ़ सकती है, इसलिए गेहूं को लेकर धारा 144 लागू किया गया है. रिपोर्ट में कहा गया है कि गेहूं की कीमतों में लगातार बढ़ोतरी हो रही है. 1 अगस्त को पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में गेहूं 35 रुपए किलो बिक रहा था, जो 1 सितंबर 2025 को 97 रुपए प्रति किलो हो गया.

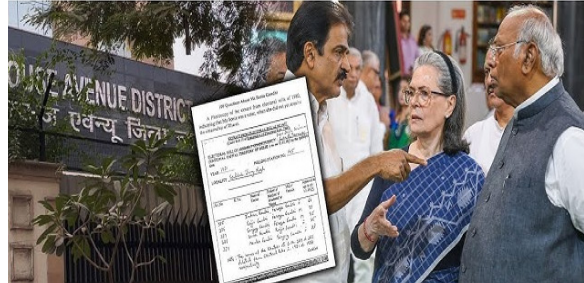
सोनिया गांधी के वोट पर विवाद, मामला पहुंचा अदालत

नई दिल्ली.

दिल्ली की एक अदालत में कांग्रेस नेता सोनिया गांधी के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर याचिका दाखिल की गई है.

याचिका में सोनिया गांधी के भारतीय नागरिक बनने से 3 साल पहले ही मतदाता सूची में नाम शामिल होने के आरोप में एफआईआर दर्ज करने की मांग की गई है. राजन एवेन्यू कोर्ट के अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट वैभव चौरसिया ने गुरुवार को कुछ देर तक मामले की सुनवाई की. उन्होंने कहा कि कोर्ट 10 सितंबर को इस मामले में दोबारा सुनवाई करेगी.

कांग्रेस नेता सोनिया गांधी पर आरोप लगाया गया कि भारतीय



नागरिकता मिलने के तीन साल पहले ही उनका नाम वोटर लिस्ट में शामिल था.

याचिका में कहा गया कि सोनिया गांधी का नाम 1980 में नई दिल्ली निर्वाचन क्षेत्र की मतदाता सूची में शामिल किया गया था, जबकि वह अप्रैल 1983 में भारत की नागरिक बनी थीं. वकील ने आरोप लगाया कि

गांधी का नाम 1980 में मतदाता सूची में शामिल किया गया, 1982 में हटा दिया गया और फिर 1983 में वापस शामिल किया गया.

वकील ने आरोप लगाया कि तीन साल पहले यानी 1980 में मतदाता सूची में सोनिया गांधी का नाम शामिल होने का मतलब है कि उनके द्वारा कुछ जाली डॉक्यूमेंट दिए गए होंगे. वकील

ने कहा कि इस तरह से जाली डॉक्यूमेंट बनवाकर मतदाता सूची में अपना नाम शामिल करवाना एक संज्ञेय अपराध के बराबर है. इसलिए उन्होंने कोर्ट से सोनिया गांधी के खिलाफ FIR दर्ज करने का आदेश देने की अनुमति मांगी.

सोनिया गांधी के खिलाफ वकील की दलीलें सुनने के बाद कोर्ट ने कहा कि इस मामले को लेकर अगली सुनवाई 10 सितंबर को होगी.

इस मामले की सुनवाई राजन एवेन्यू कोर्ट के अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट वैभव चौरसिया कर रहे थे. जानकारी के अनुसार अभी तक कांग्रेस नेता सोनिया गांधी या दिल्ली पुलिस को कोई औपचारिक नोटिस जारी नहीं किया गया है.

जर्मनी में नामांकन के बाद मौत!, एक ही पार्टी के उम्मीदवारों के साथ क्या हो रहा है?

बर्लिन.

जर्मनी के सबसे अधिक आबादी वाले राज्य 'नॉर्थ राइन-वेस्टफेलिया' में 14 सितंबर को स्थानीय चुनाव होने वाले हैं. लेकिन इससे पहले अजीबोगरीब वाक्या सामने आया है. ऑफिशियल डेटा के मुताबिक, 'नॉर्थ राइन-वेस्टफेलिया' में इलेक्शन कैंपेन के दौरान 16 कैंडिडेट्स की मौत हुई है, जिनमें 7 उम्मीदवार विपक्षी पार्टी

अल्टरनेटिव फॉर जर्मनी (एएफडी) के हैं. इसके अलावा किसी भी पार्टी के एक से ज्यादा उम्मीदवारों की मौत नहीं हुई है. चार मामलों में पुलिस ने पहले ही अनेचुरल डेथ से इनकार किया है. एएफडी के इन उम्मीदवारों की मौतें 19 अगस्त से 3 सितंबर के बीच हुई हैं. इनमें कई उम्मीदवारों की उम्र 42 से 80 साल है. एएफडी पार्टी की डिप्टी रीजनल चेयरमैन गॉट्सफ्राई ने बताया कि ये मौतें हत्या की ओर

इशारा नहीं कर रहीं. पुलिस को भी ऐसी किसी गड़बड़ी के संकेत नहीं मिले हैं. हालांकि मौत की खबरों ने इंटरनेट की अटकलों को हवा दे दी है. एएफडी पार्टी के डिप्टी चीफ और बुंडेस्टाग से सांसद स्टोफन ब्रैंडन ने कहा कि मौत के इन आंकड़ों को समझना मुश्किल है. आगामी चुनावों में लगभग 20 हजार सीटें दांव पर होंगी. एएफडी पार्टी जर्मनी में लगातार लोकप्रियता हासिल कर रही है. अगस्त में हुए एक सर्वे के

मुताबिक, 'चांसलर फ्रेडरिक मर्ज की पार्टी (क्रिश्चियन डेमोक्रेटिक यूनिन ऑफ जर्मनी) को पीछे छोड़कर यह देश की सबसे लोकप्रिय पार्टी बन गई है. एएफडी जर्मनी की सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी है, जिसने फरवरी में हुए संसदीय चुनाव में 20% से ज्यादा वोट हासिल किए थे. उम्मीदवारों की मौत होने की स्थिति में इलेक्शन अथॉरिटी को नए बैलट पेपर छापने पड़ सकते हैं या अलग से चुनाव करने पड़ सकते हैं.

गणपति विसर्जन पर कड़ी सुरक्षा



गणपति वप्पा के विसर्जन की धूमधाम के बीच शहर की सुरक्षा और ट्रैफिक व्यवस्था को लेकर पुलिस ने मेगा प्लान तैयार किया है. लाखों की भीड़ सड़कों पर उमड़ने वाली है और इसी को देखते हुए सुरक्षा से लेकर ट्रैफिक तक हर स्तर पर पुख्ता इंतजाम किए गए हैं. मुंबई पुलिस के जॉइंट कमिश्नर लॉ एंड ऑर्डर सत्यनारायण चौधरी ने बताया कि विसर्जन में बड़ी संख्या में भक्त शामिल होंगे. इसलिए सुरक्षा व्यवस्था को लेकर खास तैयारी की गई है.

ओवरस्पीडिंग पर भारी चालान

लखनऊ.

उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव की गाड़ी का 8 लाख रुपये का चालान काटा गया है. उनकी गाड़ी का ओवर स्पीडिंग के लिए चालान कटा है.

भारी भ्रमक चालान काटे जाने से अखिलेश बेहद नाराज दिखे. उन्होंने सरकार पर हमला करते हुए कहा कि हमें 8 लाख रुपये का चालान देना है. ये कैमरा या सिस्टम चलाने वाले लोग पक्के भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) से जुड़े लोग होंगे. मैं इसको ट्रेस करूंगा.

सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने आज शुक्रवार पार्टी ऑफिस को कहा कि ये सरकार आम जनता से लगातार वसूली कर रही है. सरकार जनता को किसी तरह की सुविधाएं दे नहीं रही है, लेकिन उनसे जमकर टेक्स वसूल जा रहा है. उन्होंने बताया कि मेरी गाड़ी



का ओवर स्पीडिंग की वजह से आठ लाख रुपये का चालान काटा गया है.

उत्तर प्रदेश में सत्तारूढ़ बीजेपी पर हमला करते हुए अखिलेश ने कहा कि बीजेपी के लोग ही पूरा सिस्टम चला रहे हैं. पुलिस आम लोगों से पैसा वसूल रही है. उन्होंने सरकार पर

हमला करते हुए कहा कि उसकी तरफ से जो गाड़ी हमें दी गई है वो चलने की हालत में ही नहीं है. इन गाड़ियों में हम लोग चल नहीं सकते.

8 लाख रुपये के चालान पर नाराजगी दिखाते हुए अखिलेश यादव ने कहा, "कल मुझे अपनी गाड़ी का

चालान दिखा. आपको पता है कितना है. 8 लाख रुपये. सरकार के पास कैमरा होगा उसमें गाड़ी आई होगी. हमें 8 लाख रुपये का चालान देना है इस पर मैंने कहा, "दे दो. कैमरा या सिस्टम चलाने वाले लोग निश्चित तौर पर बीजेपी से जुड़े होंगे, वे लोग पूरे

> भड़के एक्स सीएम अखिलेश यादव

पहले इस्तेमाल फिर बर्बाद करेगी बीजेपी: अखिलेश

बीजेपी पर निशाना साधते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि बीजेपी इस्तेमाल पार्टी है, यह पहले इस्तेमाल करेगी फिर बर्बाद करेगी. बीजेपी किसी की सगी नहीं है. बीजेपी विधायक केतकी सिंह के मामले पर अखिलेश यादव ने कहा कि अगर उनको बेटी का दुख है तो उन्हें दूसरों की बेटी का भी दुख होना चाहिए. सरकार को ज्यादा दुखी होना चाहिए. हमारे पर इल्जाम लगे कि हम टोटी ले गए आप हमारे पर को गंगाजल से धुलाएंगे. आप भूल सकते हैं लेकिन मैं नहीं भूल सकता मैंने कई बार कहा कि मैं भी नहीं भूल सकता.

काफिले का चालान काट रहे हैं. अब मैं इसे ट्रेस करूंगा. मुझे लगता है कि चालान करने वाले लोग मुख्यमंत्री के सजातीय होंगे.

श्वेता-पलक का ग्लैमरस अंदाज

श्वेता तिवारी 24 साल की पलक तिवारी की मां हैं. दो बच्चों की मां होने के बाद भी श्वेता की फिटनेस कमाल की है. अपनी प्रोफेशनल लाइफ के साथ-साथ श्वेता अपनी निजी जिंदगी को लेकर भी हमेशा सुखियों का हिस्सा बनी रहती हैं.श्वेता तिवारी बेहद कम उम्र से काम करती हुई आ रही हैं. बिजी लाइफस्टाइल के बावजूद एक्ट्रेस अपने बच्चों पर पूरा ध्यान देती हैं. श्वेता अपनी बेटी पलक तिवारी को काफी सपोर्ट करती हैं. उनकी फिल्मों को भी एक्ट्रेस सपोर्ट करती हुई नजर आती हैं.श्वेता तिवारी बेहद कम उम्र से काम करती हुई आ रही हैं. बिजी लाइफस्टाइल के बावजूद एक्ट्रेस अपने बच्चों पर पूरा ध्यान देती हैं. श्वेता अपनी बेटी पलक तिवारी को काफी सपोर्ट करती हैं.

उनकी फिल्मों को भी एक्ट्रेस सपोर्ट करती हुई नजर आती हैं.श्वेता तिवारी आए दिन अपनी बेटी पलक के साथ तस्वीरें शेयर करती रहती हैं. मां-बेटी की तस्वीरें इंटरनेट पर आते ही वायरल हो जाती हैं. दोनों को साथ में देखना उनके फैंस को काफी पसंद हैं. यूजर्स श्वेता और पलक की तस्वीरों का इंतजार करते रहते हैं.अक्सर जब भी श्वेता तिवारी बेटी पलक के साथ तस्वीरें शेयर करती हैं, तो फैंस दोनों की तुलना करने लगते हैं. हालांकि ज्यादातर लोगों का यही कहना होता है कि श्वेता अपनी बेटी की मां नहीं बल्कि बड़ी बहन लगती हैं.श्वेता ने 44 साल की उम्र में खुद को फिट रखने के चलते तमाम महिलाओं को मोटिवेट भी किया है. अपनी बेटी को खूबसूरती के मामले में टक्कर देने वाली श्वेता हमेशा अपनी फिट बॉडी को लेकर चर्चा में रहती हैं. श्वेता अपनी डाइट भी सभी के साथ शेयर करती हैं.



जग्गा जासूस' के गाने के लिए रणबीर ने लिए थे 52 रीटेक्स

मौजूदा समय में बॉलीवुड के प्रॉमिनेंट एक्टर्स में से एक रणबीर कपूर ने अपने करियर में बड़ा नाम कमाया है और कम समय में ही वे इंडस्ट्री के लीडिंग एक्टर्स की फहरिशत में काफी ऊपर आ गए हैं. वे कई बड़े प्रोजेक्ट्स के लिए मेकर्स की पहली पसंद रहते हैं और अब तो वे नितेश तिवारी की अपकमिंग फिल्म रामायण में लीड रोल प्ले करते नजर आएंगे जो 4000 करोड़ के बजट में बनकर तैयार हो रही है और देश के इतिहास की सबसे बड़ी फिल्म मानी जा रही है. अब हाल ही में फिल्म प्रोड्यूसर बोनी कपूर ने भी रणबीर कपूर की एक्टिंग और उनके पेशेंस लेवल की तारीफ की है.

बोनी कपूर ने रणबीर कपूर के ब्राफ्ट और उनकी पर्सनालिटी की तारीफ करते हुए कहा- रणबीर कपूर एक ऐसे एक्टर हैं जिन्हें मैंने कभी भी सेट पर रूड होते हुए नहीं देखा. हमने दिल्ली की गर्मी में 16-16 घंटे शूटिंग की है. हमने शेड्यूल ही स्विच कर दिया और दिन की शूटिंग रात में करने लगे. हम रात के 9 बजे से दिन के 6 बजे तक फिल्म की शूटिंग करते थे. उस समय मौसम ठंडा रहता था. लेकिन दोनों ही सिचुएशन में उन्होंने एक सकेड के लिए भी शिकायत नहीं की.बोनी कपूर ने तु झूठी मैं मक्कार फिल्म में एक्टिंग भी की थी. ये बतौर एक्टर उनकी दूसरी फिल्म थी.



इस फिल्म की शूटिंग के दौरान बोनी को काफी चुनौतियों का सामना करना पड़ा. उन्होंने आगे कहा- मुझे फिल्म की शूटिंग के दौरान एक दफा 13 रीटेक्स देने पड़े. इस दौरान मैं भी काफी फ्रस्ट्रेट हो गया था. लेकिन रणबीर ने 52 रीटेक्स किए और इसके बाद भी वे पूरी तरह से प्रोफेशनल थे. मुझे याद है कि एक सीन के लिए रणबीर को 52 टेक्स देने पड़े थे. उन्होंने इस दौरान कोई भी बहाना नहीं माना और उल्टा कू की पूरी रिस्पेक्ट की. वो मेरे पास आए और कहा कि जब तक डायरेक्टर सेंटिसफाई नहीं हो जाता है हमें अपना 100 प्रतिशत देना होगा. सेट पर उनका पेशेंस लेवल कमाल का था. उनके साथ सेट पर रहना किसी आनंद के अनुभव से कम नहीं था.

मनोज का अनोखा पुलिस किरदार



मनोज बाजपेयी एक ऐसे एक्टर हैं जो अपने हर किरदार को जीवंत कर देते हैं और जब बात आती है एक पुलिसवाले के रोल की, तब तो उनका कोई मुकाबला नहीं. 'शूल' के समर प्रताप सिंह से लेकर 'द फैमिली मैन' के श्रीकांत तिवारी तक, उन्होंने हर वर्दी वाले किरदारों को एक नई पहचान दिलाई है. अब वो 'इंस्पेक्टर झेंडे' बनकर नेटफ्लिक्स पर वापस आए हैं, और इस बार कहानी है एक ऐसे पुलिसवाले की, जिसने दो बार चार्ल्स शोभराज जैसे कुख्यात अपराधी को पकड़ा था. लेकिन रुकिए!

ये कोई गंभीर ब्राह्म ड्रामा नहीं है. ये एक हल्के-फुल्के अंदाज में कही गई कहानी है, जो आपको हंसाएगी, गुदगुदाएगी और सोचने पर मजबूर करेगी कि क्या वाकई ऐसी घटनाएं भी इस तरह से दिखाई जा सकती हैं.फिल्म का सबसे बड़ा जादू है इसका ट्रीटमेंट. 'द कश्मीर फाइल्स' में खलनायक का किरदार निभाने वाले चिनमय मांडलेकर ने इस फिल्म का निर्देशन किया है, और उन्होंने एक गंभीर विषय को इतनी सहजता से दिखाया है कि आप हैरान रह जाएंगे. ये फिल्म भले ही 'हा-हा-हा' वाली कमिडी न हो, लेकिन यह आपको मुस्कराने के कई मौके देती है, और सबसे बड़ी बात, ये अपराध की गंभीरता को कहीं भी कम नहीं करती. 'इंस्पेक्टर झेंडे' की कहानी 1980 के दशक में सेट है. फिल्म शुरू होती है कुख्यात सीरियल किलर कार्ल भोजराज (जिम सरम) के तिहाड़ जेल से भागने से. अपने जन्मदिन के मौके पर नशीली खीर खिलाकर वह जेल से रफूचक्कर हो जाता है. जब ये खबर मुंबई पुलिस तक पहुंचती है, तो एक ही नाम सामने आता है – इंस्पेक्टर मधुकर बी. झेंडे (मनोज बाजपेयी). झेंडे वही पुलिसवाला है जिसने 15 साल पहले चार्ल्स को पकड़ा था. वो एक साधारण, ईमानदार और कर्तव्यनिष्ठ पुलिसवाला है, जो अपने परिवार से भी उतना ही प्यार करता है. उसकी पत्नी उसे प्यार से 'कमिश्नर' कहती है. जब उसे चार्ल्स के भागने की खबर मिलती है, तब उसकी खुशी का ठिकाना नहीं रहता, क्योंकि उसे पता है कि ये उसके लिए पैदान में वापस आने का सुनहरा मौका है.



जॉली एलएलबी 3 पर हुई अक्षय-अरशद में बहस

दो जॉली के बीच की मस्ती भरी जंग दिन-ब-दिन और भी ज्यादा रोमांचक और मजेदार होती जा रही है. मच अवेटेड जॉली एलएलबी 3 के मेकर्स ने एक और प्रोमो रिलीज कर दिया है, जिसमें अक्षय कुमार (जॉली मिश्रा) और अरशद वारसी (जॉली त्यागी) के बीच चल रही अदालती जंग में एक नया चैप्टर जुड़ गया है. नए प्रोमो में अक्षय और अरशद इस बात पर बहस करते हुए नजर आ रहे हैं कि फिल्म का ट्रेलर कहाँ रिलीज किया जाएगा. फिल्म के इस अनोखे प्रमोशन के दौरान फैंस को वोट करके ये तय करना है

कि जॉली एलएलबी 3 का ट्रेलर कहाँ रिलीज किया जाना चाहिए. शेयर किए गए नए वीडियो में दोनों सितारे एक बार फिर अदालत में खड़े नजर आ रहे हैं और हमेशा निराश रहने वाले जज, जिनका किरदार सौरभ शुक्ला ने निभाया है, के सामने अपनी दलीलें पेश



कर रहे हैं. इस बार यह बातचीत बेहद निजी और उससे भी ज्यादा हास्यपूर्ण हो गई है.नए क्लिप में अरशद वारसी अपने शहर मेरठ की तारीफ करते हैं. उनका किरदार जॉली त्यागी, जोश से कहता है कि ट्रेलर लॉन्च मेरठ में होना चाहिए और कहता है कि किसी भी बड़े मौके पर मिठाइयों की ज़रूरत होती है और मेरठ की मशहूर गजक और रेवड़ी इस जश्न के लिए एकदम सही हैं. जैसे ही लगता है कि वह जज का दिल जीत रहे हैं, तभी अक्षय कुमार (जॉली मिश्रा) एक मजेदार पलटवार करते हैं.वह त्यागी पर मेरठ में अपने चाचा की मिठाई की दुकान का प्रचार करने के

लिए इस लॉन्च का इस्तेमाल करने का आरोप लगाते हैं. फिर वह एक तीखा तंज कसते हुए पूछते हैं कि क्या यह ट्रेलर लॉन्च की योजना है या "रिटायरमेंट प्लान." वह इस ओर भी इशारा करते हुए कि त्यागी की वकालत ठीक नहीं चल रही है. यह वीडियो एक शानदार प्रमोशन सीरीज की कड़ी है जहां दोनों कलाकार अपने-अपने शहरों के लिए प्रचार कर रहे हैं. पिछले वीडियो में अक्षय कुमार कानपुर के लिए प्रचार करते हुए दिखाई दिए थे, जहां उन्होंने मशहूर "पैपल" ब्रानाम "अपील" बहस में अरशद को मज़ाकिया अंदाज़ में ट्रोल् किया था.

अनुपमा के गौरव खन्ना 'बिग बॉस' के सबसे महंगे कंटेस्टेंट

छोटे पर्दे का बड़ा रियलिटी शो बिग बॉस अपने 19वें सीजन के साथ टीवी और जियोहॉटस्टार पर प्रसारित हो रहा है. सलमान खान एक बार फिर होस्ट बनकर बिग बॉस के घर में रह रहे 16 कंटेस्टेंट की वीकेंड का वार में क्लास लगा रहे हैं. शो में इस बार टीवी, बॉलीवुड और भोजपुरी सिनेमा से कलाकार बतौर कंटेस्टेंट शामिल हुए हैं और सभी अपने गेम को मजबूत बनाने के लिए भरपूर कोशिश कर रहे हैं.बिग बॉस देखने वालों के जहन में एपिसोड्स के अलावा कंटेस्टेंट्स की फीस वाली बात भी होती है. इस बार अमाल मलिक और गौरव खन्ना को सबसे महंगा कंटेस्टेंट्स बताया जा रहा है. गौरव खन्ना टीवी एक्टर हैं, जिन्होंने 'मास्टर शेफ' जैसा बड़ा रियलिटी शो जीता है, वहीं अमाल मलिक बॉलीवुड के फेमस सिंगर हैं. बिग बॉस 19 में गौरव खन्ना और अमाल मलिक को एक एपिसोड की कितनी फीस मिलती है, आइए बताते हैं. गौरव खन्ना बिग बॉस 19 में एक एपिसोड के 2.5 लाख रुपये चार्ज करते हैं. बिग बॉस के अभी तक के सीजन में आने वाले टॉप 10 हाइएस्ट पेड कंटेस्टेंट्स में गौरव खन्ना का नाम शामिल हो चुका है.43 साल के गौरव खन्ना कानपुर के रहने वाले हैं और इन्होंने बतौर मार्केटिंग मैनेजर नौकरी भी की है.



51 की उम्र में उर्मिला का कहर



आजकल अपनी फिटनेस को लेकर सुर्खियां बटोर रही एक्ट्रेस उर्मिला मातोंडकर अब उम्र के 50 साल पूरे कर चुकी हैं. लेकिन एक्ट्रेस को देखकर बिल्कुल नहीं लगता कि उनकी इतनी उम्र है. अब फिल्मी दुनिया से दूर उर्मिला इवेंट वगैरा में ही नजर आती हैं और हमेशा अपने स्टाइल से हर किसी का दिल चुरा लेती हैं. हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने सोशल हैंडल पर कुछ ऐसी तस्वीरें शेयर की, जो लोगों को काफी पसंद आ रही हैं. तस्वीरों में 51 साल की उर्मिला बहुत ही खूबसूरत और यंग लग रही हैं.हाल ही एक्ट्रेस ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर अपनी कुछ हसीन तस्वीरें शेयर की हैं. हर एक तस्वीर में एक्ट्रेस किस्मत पोज देते नजर आ रही हैं. मिनी स्कर्ट पहने उमरीला काफी यंग और बोल्ड नजर आ रही हैं. सोशल मीडिया

पर एक्ट्रेस की अच्छी पकड़ है. यहां उनके 1 मिलियन फॉलोवर्स हैं. फैंस उर्मिला पर जमकर प्यार लुटाते हैं. इन तस्वीरों को देखकर लोग उनकी खूब सराहना कर रहे हैं. 51 की उम्र में भी उर्मिला काफी फिट और यंग नजर आ रही हैं. उर्मिला मातोंडकर के प्रोफेशनल लाइफ की बात करें तो एक्ट्रेस फिल्मों के साथ ही एक्ट्रेस राजनीति में सक्रीय रह चुकी हैं. उन्होंने अपने करियर की शुरुआत एक चाइल्ड आर्टिस्ट से की थी. इस फिल्म का नाम 'कर्म' था, जो साल 1977 में आई थी. बतौर लीड एक्ट्रेस उर्मिला 'नरसिम्हा' फिल्म में दिखाई. इसके बाद साल 1995 में आमिर खान और जैकी श्रॉफ संग आई फिल्म 'रंगीला' ने उन्हें घर-घर फेमस कर दिया. वहीं पिछले कई सालों से उर्मिला फिल्मी दुनिया से दूर नजर आ रही हैं.